

27.11.2025:-पत्रावली आज प्रार्थी अधिवक्ता के प्रार्थना पत्र पर पेशी में ली गई। प्रार्थी वकील का मूल वादपत्र अदम पैरवी/अदम हाजरी हो चुका है। मूल वाद पत्र अदम पैरवी/अदम हाजरीहोने के कारण प्रार्थना-पत्र में कोई कार्यवाही शेष नहीं रह जाती। इसलिए अस्थाई निशेषाज्ञा को वर्तमान स्तर पर निरस्त खारिज किया जाकर उक्त प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 212 आर.टी.ए. में वर्तमान स्तर पर खारिज कि जाती है। पत्रावली नम्बर से कम की जाकर बाद तैरबीज तक मील दाखिल दफतर हो।

*ab*

सहायक कलक्टर  
उपायुक्ताधिकारी  
नगर